हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 15 .5 डिग्री

12 अपने जीवन में अच्छे लोगों और सकारात्मक सोच को जोड़ें छात्राएं: डा. ज्योति

12 दशा सुधरने के बाद नए लुक में आया किसान भवन, लोगों के ठहराव की भी होगी व्यवस्था

Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh
RPS GROUP OF COLLEGES
Where Dreams come True
COURSES OFFERED
B.Sc. | B.Sc. (Hons.) | M.Sc. | B.A. | M.A.
M.Sc. | MBA | BBA | BCA | B.Tech. | M.Tech.
Polytechnic | B.V.Sc. & A.H. | VLDD

Our Toppers of Indira Gandhi University 2026 - B.Sc. (Honors) Physics 5th Sem.

Total 8 OUT OF 10 University Positions

ADMISSIONS OPEN : 2026-27

BUS FACILITY UPTO 80 KMS
WORLD CLASS HOSTEL FOR BOYS & GIRLS (AC/ NON-AC)
8th Mile Stone Balana, Mahendergarh, Haryana (NCR)
01285-241430/1/2, 8222888337/8, 8222999153

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों को अंजाम देने के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। गत 3 मार्च को बावल के पास हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में अर्जुन नगर निवासी ईशु कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं कसोला पुलिस ने 4 मार्च को नेशनल हाइवे पर हुए हादसे के बाद दर्ज मामले में दिल्ली रिवाड़ा निवासी अरुण को गिरफ्तार किया है। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर महिला को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी प्रेमलता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। विवाहिता ने दहेज की मांग पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के कारण पुलिस ने गत वर्ष 11 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के एक गांव निवासी विनोद को गिरफ्तार कर लिया।

डंपर से ट्रक टकराने से चालक घायल

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर साबी नदी पुल के पास डंपर में ट्रक टकराने से चालक घायल हो गया। यूपी के सराय रायबरेली निवासी कयूब खान ट्रक में एक कंपनी का सामान लेकर जयपुर की ओर जा रहा था। साबी नदी पुल के पास सड़क पर खड़े डंपर से उसका ट्रक टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। डंपर चालक मौके से फरार हो गया। घायल के साथी चालक ने उसे अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद डंपर चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

महिला ने फांसी का फंदा लगाकर जान दी

रेवाड़ी। रामपुरा में किराए के मकान में परिवार सहित रह रही मूल रूप से एमपी की एक महिला ने मंगलवार की रात अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। पोस्टमार्टम के लिए उसके मायके पक्ष के लोगों का इंतजार किया जा रहा था।

एमपी निवासी पप्पू परिवार सहित रामपुरा में किराए के मकान में रह रहा है। उसकी 40 वर्षीय पत्नी अनीता ने रात को अपने कमरे में संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर जान दे दी। बुधवार सुबह जब उसका शव फंदे पर लटका मिला, तो उसकी सूचना पुलिस को दी गई। थाना रामपुरा पुलिस ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। फंदे से शव उतारने से पहले सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने उसके मायके पक्ष के लोगों को सूचना देकर शव सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। परिजनों के आने पर ही शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

कुंड एरिया में सड़कों पर गिरे पेड़ों के कारण यातायात बाधित रहा

गेहूं की फसल बारिश से जमीन पर बिछी

तूफानी बारिश के साथ ओलावृष्टि, आंधी से पेड़ व बिजली के पोल गिरे लाइट गुल होने से कई गांवों में ब्लैकआउट

बुधवार देर शाम आई तेज बरसात से बाजार जलमग्न।

बरसात व अंधड से टूट कर गिरा होर्डिंग।

बारिश से मंडी में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फसल कटाई के ऐन मौके पर मौसम किसानों को दगा दे दे गया। बुधवार सांय तेज आंधी के साथ बारिश व कुछ इलाकों में ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है। आंधी के कारण कई गांवों में पेड़ टूट गए। बिजली के पोल टूटने के कारण गांवों में ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो गई। गेहूं की फसल तेज आंधी के साथ हुई बारिश के कारण जमीन पर बिछ गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बिजली निगम ने रात को ही बंद हुई फीडरों को चालू करने के प्रयास शुरू कर दिए, लेकिन बड़ी संख्या में गांव रात भर अंधेरे में रहे। शहर में दुकानदारों के हॉर्डिंग व साइन बोर्ड तक उड़ गए। बुधवार शाम करीब 5 बजे मौसम में अचानक बदलाव आ गया। घने बादलों के कारण सूर्यास्त से पहले ही अंधेरा छा गया। इसके बाद तेज बारिश शुरू हुई। बावल एरिया के कुछ गांवों में हल्की ओलावृष्टि हुई। आंधी के कारण खोल ब्लॉक के कई गांवों में पेड़ व बिजली के पोल टूटकर गिर गए। कुंड एरिया में सड़कों पर गिरे पेड़ों के कारण यातायात भी बाधित रहा। ओलावृष्टि प्रभावित इलाकों में सरसों की खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। वहीं गेहूं की फसल जमीन पर गिरने से उत्पादन पर इसका असर पड़ेगा। इस बारिश के कारण किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ेगा। शहरी क्षेत्र में बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव हो गया।

बिजली के फीडर ट्रिप हो गए

निगम सूत्रों के अनुसार आंधी के बाद बड़ी संख्या में बिजली के फीडर ट्रिप हो गए। आंधी के बाद इन फीडरों को चालू करने के प्रयास शुरू किए गए, लेकिन 60 से अधिक फीडरों की बिजली शुरू नहीं हो सकी। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के पोल भी गिर गए, जिससे बिजली व्यवस्था चरमरा गई। निगम कर्मचारियों ने रात को ही फीडरों को चालू करने के लिए लाइनों की पेट्रोलिंग का कार्य शुरू किया। बिजली का लोड कम होने से वोल्टेज भी काफी बढ़ गई। जिन गांवों में बिजली के पोल गिरे हैं, वहां लोगों को अभी बिजली आपूर्ति बहाल होने का इंतजार करना पड़ेगा।

दोपहर बाद आया मौसम में बदलाव

बुधवार को सुबह के समय आसमान साफ बना रहा। तेज धूप निकलने के बाद दोपहर तक गर्मी ने एक बार फिर से असर दिखाना शुरू कर दिया। दोपहर तक मौसम का मिजाज गर्म बना रहा। अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 34.0 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 2.3 डिग्री की वृद्धि के साथ 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवाओं की रफ्तार लगभग 12 किलोमीटर प्रति घंटा रही। दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव आना शुरू हो गया। इसके बाद आंधी के साथ तेज बरसात शुरू हो गई।

दो दिन बरकरार रहेगा मौसम से खतरा

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्रमोहन के अनुसार मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हो गया है। इससे अन्य राज्यों के साथ-साथ दिल्ली व एनसीआर में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बारिश के साथ ओलावृष्टि से इनकार नहीं किया जा रहा है। मौसम वीरवार और शुक्रवार दो दिन तक इसी तरह का बना रह सकता है। तापमान में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है, जिससे मौसम कुछ दिनों तक ठंडा बना रह सकता है।

फसल कटाई का कार्य किया तेज

कई किसान अगेती सरसों निकालकर मंडियों या घरों तक पहुंचा चुके हैं। अभी सरसों की लगभग 70 प्रतिशत तक कटाई बची हुई है। पककर तैयार खड़ी फसल पर ओले गिरते हैं, तो इससे सरसों झड़कर जमीन पर गिर जाएगी। किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। गेहूं की फसल भी तेज हवाओं के साथ जमीन पर गिर सकती है। इससे गेहूं की फसल का उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है।

इस समय सावधानी बरतना जरूरी

किसानों को खेतों में जलभराव नहीं होने देना चाहिए। इसके लिए पानी निकासी को मेड़ काटकर रास्ता बनाना चाहिए। कटी हुई फसल को तिरपाल ये ढकें या फिर गोदाम में रखें। बारिश के समय पेड़ों, बिजली के खंभों व कमजोर छप्परों के पास खड़े नहीं हों। तेज आंधी के समय फसल सिंचाई करने से बचें।

426 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए रेवाड़ी ने अवैध नशीले पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव खोल निवासी कर्मबीर उर्फ मोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 426 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 17 मार्च को सीआईए को सूचना मिली कि कर्मबीर उर्फ मोनी निवासी गांव खोल अवैध नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है तथा खोल से धवाना रोड पर खेतों की तरफ जाने वाले कट के पास खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गांजा सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

मंडी में फसल बेचने के लिए गेट पास के लिए वाहन की फ्रंट नंबर प्लेट और किसान का बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

- डीसी अभिषेक मीणा ने रबी फसल खरीद को लेकर ली अधिकारियों की बैठक
- जिले में गेहूं व सरसों की खरीद के लिए अनाज मंडी रेवाड़ी, कोसली, बावल व कंवाली में खरीद केंद्र बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अनाजमंडी में सरसों की आवक ने काफी गति पकड़ ली है। अनाजमंडी के तीनों फड़ों पर सरसों डालने की जगह कम पड़ने लगी है। डीसी अभिषेक मीणा ने बुधवार को लघु सचिवालय सभागार में रबी सीजन फसल खरीद को लेकर अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से रबी फसल खरीद के दौरान मंडियों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न आने दी जाए, विभाग इस बात का विशेष ध्यान रखें और सभी व्यापक प्रबंध समय पर करें। डीसी ने कहा कि मंडी में सरसों व गेहूं बेचने आने वाले किसानों की मूलभूत सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। डीसी ने बताया कि जिले में गेहूं व सरसों की खरीद के लिए अनाज मंडी रेवाड़ी, कोसली, बावल व कंवाली में खरीद केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में हैफेड, खाद्य आपूर्ति विभाग और वेयर हाउस की ओर से निर्धारित नियमानुसार फसल की खरीद की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से गेहूं 2585 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों 6200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। डीसी मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित मापदंडों के अनुसार मंडियों में फसल खरीद करें। साथ ही नमी मापने वाले मॉइस्चर मीटर की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मंडी में आने वाले किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, शौचालय व छाया सहित अन्य आवश्यक प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाने की पूरी व्यवस्था की जाए।

रेवाड़ी। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए डीसी अभिषेक मीणा, अनाजमंडी में लगी सरसों की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

फसलों की उपज को सुखाकर लाएं

डीसी ने बताया कि अनाज मंडियों में रबी फसल की खरीद के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। इसी के साथ सरकार ने मंडियों में रबी फसल की खरीद को लेकर मापदंड निर्धारित किए है। मंडियों में गेट पास फोटो सत्यापन के लिए वाहन की फ्रंट नंबर प्लेट अनिवार्य है। इसके साथ-साथ गेट पास के लिए किसान का बायोमेट्रिक सत्यापन भी आवश्यक होगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे मंडियों में अपनी फसलों की उपज को सुखाकर लाएं, ताकि फसल बेचने में किसी भी किसान को परेशानी न हो पाए। बैठक में एसडीएम सुरेश कुमार, एसडीएम बावल मनोज कुमार, डीएफएससी नितीश कुमार सिंगला, डीआरओ प्रदीप देशवाल व डीएमईओ सत्य प्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नवरात्र की पूर्व संध्या पर बुधवार को बाजार में पूजन सामग्री खरीदने के लिए लगी श्रद्धालुओं की भीड़

चैत्र नवरात्र आज से, पहले दिन होगी मां शैलपुत्री की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वीरवार 19 मार्च से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्रों को लेकर शहर के मंदिर में तैयारियां हो चुकी है। माता के मंदिरों को फूलों व आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। नवरात्र की पूर्व संध्या पर बुधवार को बाजार में दुकानों पर पूजन सामग्री खरीदने के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। शहर के मोती चौक बाजार, गुड़ बाजार, बारा हजारी, पुरानी सब्जीमंडी व सरकुलर रोड स्थित दुकानों पर पूजन तथा खाद्य सामग्री खरीदने वालों की भारी भीड़ दिखाई दी।शहर के मुख्य मोती चौक बाजार में सामान खरीदने वालों की ज्यादा भीड़ दिखाई दी। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने बताया कि इस बार 9 दिन के नवरात्रे होंगे। नवरात्रों का समापन 27 मार्च को होगा।

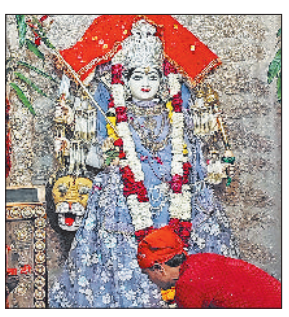

रेवाड़ी। नवरात्र की पूर्व संध्या पर मोती चौक पर पूजन सामग्री खरीदती महिलाएं।

लाइटों से जगमग हुए माता के मंदिर

नवरात्र के उपलक्ष्य में शहर के सभी प्रमुख मंदिरों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। मंदिरों को राजस्थान के अलवर जिले से आए इलेक्ट्रिशियनों की ओर से सजाया गया है। शहर के बारा हजारी स्थित दुर्गा मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित प्राचीन मंसा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित कालीमाता मंदिर, बारा पत्थर काली माता मंदिर, मॉडल टाउन राधा-कृष्ण मंदिर, घंटेश्वर महादेव मंदिर व सेक्टर-3 स्थित श्रीकृष्ण मंदिर सहित सभी मंदिरों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है।

पहले दिन होगी मां शैलपुत्री की पूजा

नवरात्र के प्रथम दिन घट स्थापना के बाद मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। माता शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं और इसी कारण उनका नाम शैलपुत्री पड़ा। इस दिन उपवास करने के बाद माता के चरणों में गाय का शुद्ध घी अर्पित करने से आरोग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उपवास करने वाला निरोगी रहता है। नवरात्र के 9 दिनों में आदिशक्ति दुर्गा के 9 रूपों का पूजन किया जाता है। नवरात्र के 9 दिनों में पहले दिन शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कूष्मांडा, पांचवें दिन स्कंदमाता, छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी और नौवें दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है।

सर्वार्थ सिद्धि योग से हो रही नवरात्र की शुरूआत

नवरात्र की शुरूआत सर्वार्थ सिद्धि योग से हो रही है। चैत्र नवरात्र 19 से 27 मार्च तक रहेंगे। इन दिनों में वसंत ऋतु रहती है। पुराणिक कथाओं के अनुसार ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही सृष्टि की शुरूआत हुई थी। आदिशक्ति की आराधना, उपासना व साधना, सिद्धियों का महापर्व वासंतिक नवरात्र में प्रत्येक दिनों में मां दुर्गा की अलग-अलग स्वरूपों में पूजा होती है। श्रीराम नवमी 27 मार्च को होगी, इसी दिन व्रत की पूर्णाहुति होगी। शहर के धारूहेड़ा चुंगी स्थित ज्योतिष संस्थान के ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने कहा कि चैत्र नवरात्र के दौरान घटस्थापना उत्तर या पूर्व दिशा की ओर करनी चाहिए। इस दिन उदयातिथि में अमावस्या होते हुए भी पूर्ण दिन प्रतिपदा का मान होने से घटस्थापना होगी। घट स्थापना का मुहूर्त प्रातः 6:52 के बाद दोपहर 12:55 तक तथा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:07 से 12:55 तक रहेगा।

गोरक्षा दल ने की नवरात्र के नौ दिन मीट का सेवन व बिक्री न करने की अपील

कोसली। नाहड़ ब्लॉक गोरक्षा दल ने क्षेत्र के आम लोगों, मीट विक्रेताओं व होटल संचालकों से चैत्र नवरात्र के दौरान मीट का सेवन व बिक्री न करने की अपील की है। गोरक्षा दल के मोहित ने कहा कि नवरात्र हिंदू धर्म में पवित्र पर्व माना जाता है। इस दौरान जगतजननी माता के नौ रूपों की पूजा होती है। हर जीव में परमात्मा का अंश है। लोग माता से शांति, दयाभाव व खुशहाली की कामना करते हैं। गोरक्षा दल ने सभी की भावनाओं का सम्मान करते हुए मीट दुकानदारों व होटल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि नवरात्रि में नौ दिन सभी अपनी दुकाने बंद रखें। मीट न बेचें, न खरीदें व न सेवन करें। गोरक्षा दल ने आमजन से भी नवरात्र में किसी भी जीव पर क्रूरता न करने, दया व प्रेम का भाव रखने व प्रत्येक जीव में परमात्मा का वास समझने की अपील की है।

विक्रम संवत 2083 प्रारंभ : जानें क्या है खास गुरु-मंगल की जोड़ी किसका करेगी बेड़ा पार

गुरुवार से 2026 से हिंदू नववर्ष यानी विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होने जा रहा है। यह पावन दिन हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होता है और इसी के साथ भारतीय नवसंवत्सर की शुरुआत मानी जाती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल होंगे, जबकि इस संवत का नाम 'रौद्र संवत्सर' रखा गया है। हिंदू नववर्ष सनातन परंपरा का बेहद महत्वपूर्ण पर्व है। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए यह दिन नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत की शुरुआत होती है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था और यह ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे चलता है।

आज शुरू होगा हिंदू नववर्ष

देश में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी और उत्तर भारत में नवसंवत्सर।

यह रहेगा प्रभाव

ज्योतिष के अनुसार जब बृहस्पति राजा होते हैं तो धर्म, शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है, वहीं मंगल मंत्री होने से साहस, ऊर्जा और प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है। इस साल एक खास संयोग भी बन रहा है। मीन राशि में सूर्य, चंद्रमा, शुक्र और शनि का चतुर्ग्रही योग, जो इसे और प्रभावशाली बना रहा है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

सनातन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इसी तिथि से सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए इसे नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी, जबकि उत्तर भारत में इसे नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग घरों की साफ-सफाई, पूजा-पाठ और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं।

-पंडित कृष्ण दत्त गौड़, ज्योतिषाचार्य

मेष

इस राशि के जातकों का सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति मिल सकती हैं। व्यापारियों को भी नए प्रोजेक्ट या साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह नववर्ष परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में शुभ संकेत दे सकता है। जमीन या वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ सकता है। हालांकि भावनात्मक फैसलों से बचना और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। हालांकि जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए साझेदारी और व्यापार के मामलों में यह वर्ष अनुकूल रह सकता है। व्यापार विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे भविष्य में लाभ होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

मकर

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष घर-परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण हो सकता है। परिवार में शुभ कार्य होने के योग बन सकते हैं। करियर में स्थिरता आएगी और मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। हालांकि काम का दबाव भी बढ़ सकता है। इससे शुरूआत में कुछ परेशानी हो सकती है।

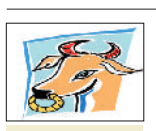

वृषभ

वृषभ राशि के लोगों के लिए यह नववर्ष आर्थिक दृष्टि से अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रह सकती है। हालांकि खर्चों में भी वृद्धि हो सकती है, इसलिए बजट का संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह

इस राशि के लोगों के लिए भाग्य का साथ मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में कमी आ सकती है। व्यापारियों को भी लाभ मिलने के योग बन सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग बन सकते हैं। नई नौकरी या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मेहनत और लगन से किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। हालांकि विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होगी।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह वर्ष करियर और कारोबार के लिहाज से शुभ सिद्ध हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति के योग बन सकते हैं। हालांकि सावधानी से कदम बढ़ाने होंगे।

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष करियर और शिक्षा के लिहाज से अच्छा साबित होगा। नौकरी में नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह वर्ष शिक्षा, ज्ञान और करियर के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है।

मीन

मीन राशि के लोगों के लिए यह वर्ष आर्थिक रूप से मजबूत साबित हो सकता है। आय में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। करियर में नई जिम्मेदारियां और अवसर मिल सकते हैं। नौकरी उन्नति के योग हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रह सकता है।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सिर के एक साइड हो बहुत तेज दर्द

मेरी उम्र 62 वर्ष है। पिछले दो-तीन हफ्तों से मेरे सिर में दाहिनी तरफ हल्का-हल्का दर्द बना रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कुलभूषण, धमतरी

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको माइग्रेन हो रहा है। आपको इस बात पर गौर करना चाहिए कि सिर दर्द किन वजहों से होता है? कई लोगों को धूप में आने से तो कुछ लोगों को भूख लगने से तो कुछ को तनाव की वजह से सिर दर्द होता है। समस्या की पहचान कर उससे बचने का प्रयास करना चाहिए। अगर अधिक दिक्कत होती है तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर माइग्रेन दर्द की दवा लिखवा लेनी चाहिए। लेकिन दर्द की दवा का इस्तेमाल ज्यादा ना करें।

मेरी उम्र 19 वर्ष है। मुझे दिन भर कुछ-न-कुछ खाने की इच्छा होती रहती है। मेरा वजन भी बढ़ रहा है। कृपया बताएं कि मैं अपनी भूख पर कैसे कंट्रोल करूं?

-राजवीर, इमेल से

हालांकि भूख ज्यादा लगने के कारण कभी-कभी शुगर का लेवल बढ़ने लगता है, लेकिन जैसा आप बता रहे हैं कि आपका वजन भी बढ़ रहा है तो थायराइड संबंधी समस्या भी इसकी वजह हो सकती है। बेहतर होगा कि एक बार आप जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लें। वे आपके ब्लड की कुछ जांच कराएंगे, जिससे आपकी समस्या की वजह पता चलेगी और ट्रीटमेंट किया जा सकेगा। फिलहाल आप बाहर का खाना और अधिक तेल-मसाले वाला खाना बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी बाईं आंख के नीचे गुठली-सी निकल आई है। छूने पर यह हार्ड लगता है और दर्द भी करता है। कृपया बताएं कि यह क्या है और कैसे ठीक होगा?

-योगेंद्र, बिलासपुर

यह गांठ किस तरह की है, यह बिना जांच किए कहना मुश्किल है। इसलिए आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे इसकी प्रॉपर जांच करेंगे और अगर ऑपरेट करने की जरूरत होगी तो उसे ऑपरेट कर देंगे। लेकिन बगैर जांच कराए आप अपने मन से इस रोग का ट्रीटमेंट ना करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से मेरे दोनों पैर दिन में कभी भी अचानक कुछ मिनटों के लिए सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई सेंसेशन नहीं होता। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-संदीप, भोपाल

इस तरह की समस्या कई बार नर्वस सिस्टम से जुड़ी होती है तो कई बार मस्तिष्क से संबंधित होती है। यह समस्या आपको कब से शुरू हुई है, यह आपने नहीं बताया। क्या आपको हाल-फिलहाल में सिर पर चोट तो नहीं लगी है? अगर ऐसा है तो आपको एक बार मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच कर इसका ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 40 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में विटामिन बी12 की कमी आई है। क्या मैं मल्टीविटामिन सप्लीमेंट ले सकता हूं? कितने दिनों तक इसे लेना सही रहेगा?

-जतिन, दुर्ग

विटामिन बी12 की कमी आपको जांच करने के बाद पता चली है क्या? अगर ऐसा है तो इसकी दवा ली जा सकती है, लेकिन पहले आपको किसी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वही इसकी दवा लिखेंगे। वही दवा आप शुरू करें। यह इस बात पर डिपेंड करेगा कि आपका विटामिन बी12 का लेवल कितना कम है, उसके अनुसार इसकी डोज तय की जाएगी। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. एस.पी. राय

सीनियर एल्मोनोलॉजिस्ट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

एक खतरनाक बैक्टीरिया के संक्रमण से टीबी रोग किसी को भी हो सकता है। हालांकि इससे बचाव और उपचार की कारगर दवाएं मौजूद हैं, लेकिन आज भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग टीबी से ग्रस्त होकर अपनी जान गंवाते हैं। **वर्ल्ड टीबी डे (24 मार्च)** के अवसर पर आपको डिटेल में बता रहे हैं, इसके होने के कारण, प्रमुख लक्षण, जांच, बचाव और उपचार के तरीकों के बारे में।

संभव है टीबी से बचाव-उपचार

हजारों साल से चली आ रही बीमारी है ट्यूबरकुलोसिस (टीबी), जिसे राजयक्ष्मा, क्षय रोग या तपेदिक भी कहा जाता है। टीबी आज भी दुनिया के कई देशों के लिए स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया से वर्ष 2030 तक इस बीमारी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके प्रति अवेयरनेस बढ़ाने के लिए ही वर्ल्ड टीबी डे मनाते हैं। इस साल वर्ल्ड टीबी डे की थीम है- 'यस! वी कैन एंड टीबीः लेड बाय कंट्रीज, पॉवर्ड बाय पीपुल।' इसका आशय है-जी हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं। इस कार्य में विभिन्न देशों के राजनीतिक नेतृत्व और जनता को अपनी-अपनी तरफ से भागीदारी निभानी होगी।

इस जीवाणु से होता है टीबीः 24 मार्च 1882 में जर्मनी के डॉ. रॉबर्ट कॉच ने टीबी के जीवाणु-माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाया था। इस जीवाणु के नाम पर ही इस बीमारी का नाम ट्यूबरकुलोसिस संक्षेप में टीबी पड़ा। आमतौर पर लोगों को फेफड़े की टीबी की समस्या ज्यादा होती है। टीबी से ग्रस्त किसी व्यक्ति के खांसने या छींकने या फिर बात करने के दौरान जब उस शख्स के मुंह से ड्रॉपलेट्स निकलते हैं, वे हवा के माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति को टीबी से संक्रमित कर सकते हैं। फेफड़ों की टीबी का प्रमुख कारण यही है। लगभग 80 से 85% लोग फेफड़ों की टीबी से ग्रस्त होते हैं। इस टीबी के बैक्टीरिया, फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। अगर समय रहते फेफड़ों की टीबी का समुचित उपचार कर लिया जाए तो फिर कालांतर में इस बीमारी की जटिलताओं और गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है।

क्या है एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबीः जब टीबी के जीवाणु फेफड़ों के जरिए रक्त प्रवाह के साथ शरीर के दूसरे अंगों में पहुंच जाते हैं और फिर इन अंगों को क्षीण करने लगते हैं, तो उसे एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। जैसे हड्डियों, आंतों, रीढ़ की हड्डी, लिंफ नोड्स, गला, लिवर और शरीर के महत्वपूर्ण अंग एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से प्रभावित हो सकते हैं। कुछ लोग मस्तिष्क की टीबी और महिलाएं गर्भाशय की टीबी से भी ग्रस्त हो सकती हैं। लगभग 15 प्रतिशत व्यक्ति एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी से ग्रस्त हो सकते हैं।

टीबी के प्रकारः जीवाणु की सक्रियता के आधार पर दो प्रकार के टीबी हो सकते हैं। एक, सक्रिय यानी एक्टिव टीबी और दूसरा, असक्रिय या लेटेंट टीबी।

एक्टिव टीबीः जिन लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं तो इस स्थिति में उनमें टीबी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। ऐसे लोग अपनी लापरवाही से दूसरे लोगों को भी टीबी से ग्रस्त कर सकते हैं।

लेटेंट टीबीः टीबी के इस प्रकार में लोगों के शरीर में इस बीमारी के जीवाणु तो होते हैं, लेकिन वे सक्रिय नहीं होते। इस कारण ऐसे लोगों में टीबी के लक्षण प्रकट नहीं होते और और न ही ऐसे व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करने में सक्षम होते हैं।

टीबी संक्रमण के लक्षणः तीन हफ्तों से अधिक समय से आने वाली खांसी। खांसते समय खून का निकलना। अचानक व्यक्ति का वजन कम होने लगना। लंबे समय तक बुखार बने रहना। भूख का कम होते जाना। थोड़ा सा भी शारीरिक परिश्रम करने पर थकावट या कमजोरी महसूस होना। सांस लेते समय सीने में दर्द महसूस होना। बेवजह पसीना बहुत आना। फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों में जो टीबी होती है, उनके लक्षण उन्हीं अंगों के अनुरूप होते हैं। जैसे रीढ़ की हड्डी के टीबी से ग्रस्त होने के कारण कमर में दर्द का लगातार बने रहना आदि लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस का तरीकाः फेफड़ों की टीबी का पता करने के लिए व्यक्ति के बलगम की जांच की जाती है। अगर बलगम की जांच से टीबी का पता नहीं चलता, तब स्प्यूटम कल्चर टेस्ट या एएफबी कल्चर नामक टेस्ट कराने का परामर्श दिया जाता है। अनेक मामलों में छाती के एक्स-रे से भी टीबी का पता करने में मदद मिलती है। फेफड़ों के अलावा एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी के मामलों जैसे गुर्दों की टीबी के लिए यूरीन कल्चर टेस्ट कराया जाता है। यदि शरीर में गांठ आदि है, तो वहां से फ्लूइड लेकर परीक्षण कराया जाता है। कुछ जटिल मामलों में सीटी स्कैन का परामर्श दिया जाता है। इसी तरह रीढ़ की हड्डी में दर्द की स्थिति में एक्सरे के अलावा एमआरआई जांच भी कराई जाती है आदि।

ट्रीटमेंट के प्रकारः आमतौर पर टीबी की मुख्य प्रारंभिक दवाएं-रिफैंपिसिन और आइसोनेक्स हैं, जिनका डॉक्टर की सलाह से नियमित सेवन करने से 6 महीने के अंदर टीबी का मर्ज खत्म हो जाता है। गौरतलब है कि मल्टीड्रग रेजिस्टेंट टीबी और एक्सटेंसिव ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में ये दोनों ही दवाएं अपना असर दिखाना बंद कर देती हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को सेकेंड लाइन ड्रग्स देने की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज में मरीज को दवाएं लगभग साल-डेढ़ साल तक दी जाती हैं। लेकिन आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण अब ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी और कारगर हो गया है। भारत सरकार ने एमडीआर टीबी के इलाज के लिए एक नई और प्रभावी 6 महीने की कम अवधि वाली उपचार पद्धति को मंजूरी दी है, जिसे 'बीपाल्म रेजिमेन' कहा जाता है। 'बीपाल्म रेजिमेन' चार दवाओं का एक संयोजन है, जो पूरी तरह से ओरल रूप में दी जाती है। इसमें बेडाक्विलिन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड, मॉक्सीफ्लोक्सासिन शामिल हैं।

इन्हें है ज्यादा रिस्कः एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी होने का रिस्क उन्हें ज्यादा होता है, जो एचआईवी से ग्रस्त हैं, जो लोग डायबिटीज टाइप 2 से ग्रस्त हैं, ऐसे लोग जिनका रोग प्रतिरोधक तंत्र या इम्यून सिस्टम कमजोर हो गया है।

इन बातों पर दें ध्यानः जिन लोगों के टीबी के इलाज की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जो लोग टीबी से ठीक हो चुके हैं, उनमें से लगभग 2 से 3% ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनमें टीबी के लक्षण दोबारा प्रकट हो सकते हैं। इसे सहज मेडिकल भाषा में टीबी का रिलेप्स होना कहते हैं। अगर किसी व्यक्ति में दोबारा टीबी के लक्षण प्रकट हों, तो उसे अति शीघ्र अपने डॉक्टर से चेकअप कराना चाहिए और उनके बताए परामर्श पर अमल करना चाहिए। दरअसल, जो पेशेंट टीबी की इलाज प्रक्रिया के दौरान नियमित रूप से दवा नहीं लेते या फिर ऐसे व्यक्ति, जो इलाज की प्रक्रिया को पूरा नहीं करते यानी समय से पहले ही दवाएं बंद कर देते हैं, उनमें टीवी के दोबारा (रिलेप्स) होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से दवाएं लें और इलाज की प्रक्रिया को पूरा करें।

बढ़ाएं इम्यूनिटीः जो लोग हेल्दी डाइट नहीं लेते, उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। वास्तव में बड़ी संख्या में लोगों के शरीर में टीबी के जीवाणु होते हैं, लेकिन ये सक्रिय नहीं होते। जब हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल नहीं अपनाते तो व्यक्ति की इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में टीबी के जीवाणु शरीर में सक्रिय हो जाते हैं, जो टीबी रोग का कारण बन सकते हैं। इसलिए टीबी से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट में फलों, सब्जियों, अंकुरित अनाजों और ड्राय फ्रूट्स को वरीयता दें। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

टीबी पेशेंट्स की डाइट

टीबी के मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त आहार और फलों का सेवन करना चाहिए। जैसे-दूध और दूध से निर्मित उत्पाद-दही, मट्ठा, सोयाबीन, दालें, अंडा, फिश और मीट। फल खासकर विटामिन सी युक्त फल जैसे संतरा, मौसंबी, नींबू और आंवला आदि। इनके अलावा टीबी के मरीजों के लिए विटामिन डी का विशेष महत्व है। विटामिन डी का कुदरती स्रोत सूर्य की किरणें हैं। इसलिए टीबी के मरीजों को सुबह के वक्त लगभग एक घंटे धूप लेनी चाहिए। धूप लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मरीज की रिकवरी जल्दी होती है।

क्या आप भी करते हैं अकसर लॉन्ग सिटिंग

प्रिकॉशन

डॉ. माजिद अलीम

वजह चाहे आपकी जॉब हो या इनएक्टिव रहने की हैबिट, अगर आप अकसर घंटों बैठे रहते हैं तो इसका आपकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। लॉन्ग सिटिंग से किस तरह के नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या सावधानियां बरत सकते हैं, जानिए।

हम सभी धूम्रपान को स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा मानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि लगातार कुर्सी पर बैठे रहना भी लगभग उतना ही हानिकारक होता है? हालांकि ऐसा नहीं है कि लगातार बैठे रहने को लेकर यह कोई नया खुलासा हुआ है। हम इस तथ्य को पहले से जानते हैं, हम सब इसके बुरे प्रभावों को जानने के बावजूद हर दिन बिना सोचे समझे यह करते हैं यानी घंटों लगातार बैठे रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा लगातार बैठने को धूम्रपान के समान ही हानिकारक घोषित किया है।

हृदय रोग की बढ़ती है आशंकाः पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लगातार बैठने से हर साल लगभग 32 लाख लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। यह संख्या धूम्रपान से होने वाली मौतों से भी ज्यादा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल पूरी दुनिया में 17.9 मिलियन लोग हृदय रोग के कारण अपनी जान गंवा बैठते हैं। लगातार बैठना यानी निष्क्रियता की वजह से ही हृदय रोगों को अपने पैर पसारने में आसानी होती है। जागरूक रहकर हम सक्रिय जीवनशैली के द्वारा 80 प्रतिशत तक के हृदय रोगों को रोक सकते हैं।

बढ़ रही निष्क्रिय जीवनशैलीः क्या आपको पता है कि भारत में 25 प्रतिशत वयस्क प्रतिदिन 8 घंटे से भी ज्यादा लगातार बैठकर काम करते हैं और इस दौरान वो 20 मिनट से भी कम का ब्रेक लेते हैं। कमोवेश कॉरपोरेट जगत में ही नहीं बल्कि सेलिब्रिटीज और सामान्य लोगों का लाइफस्टाइल भी इस तरह का ही होता जा रहा है।

खबर संक्षेप

शांतिपूर्वक हुआ बार काउंसिल मतदान

कनीना। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल चुनाव के दृष्टिगत बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह नौ बजे मतदान शुरू हुआ। बार एसोसिएशन रूम में बनाए गए 145 मतों वाले मतदान केंद्र 64 में दोपहर तक 50 फीसदी मतदान हुआ। जहां पीठासीन अधिकारी अशोक कुमार के नेतृत्व में पीओ राकेश कुमार, हनुमान सिंह, महेंद्र सिंह, एपीओ ओमप्रकाश, बार एसोसिएशन के प्रधान मंजीत यादव का सहयोग रहा।

घर में घुसकर बदमाशों ने महिला से की लूटपाट

महेंद्रगढ़। गांव धोली में 16 मार्च की रात घर में घुसकर दो अज्ञात बदमाशों ने कमलेश देवी पत्नी रोहतास से लूटपाट की। बदमाशों ने चाकू दिखाकर महिला के सोने-चांदी के गहने छीन लिए गए। वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गए। जाते समय उन्होंने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रबी फसल खरीद को लेकर तैयारियां शुरू

कनीना। अनाज मंडी में 28 मार्च से शुरू होने वाली सरसों की खरीद को लेकर मार्केट कमेटी की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हाल ही में डीएमईओ, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी जगजीत कादयान की ओर से व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित कर जरूरी विषयों पर मंथन किया गया था। आढ़तियों ने रबी फसल खरीद को लेकर इलेक्ट्रिक धर्मकांटा सहित बिजली, पेयजल व विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

21 मार्च के दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ चलेगी हवा

बूंदाबांदी ने बढ़ाई किसानों के दिल की धड़कनें, मौसम विभाग ने जताई हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

क्षेत्र में बुधवार सायं को मौसम में आए बदलाव ने किसानों की दिल की धड़कनें बढ़ा दी। वहीं मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 19 से 21 मार्च को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। जिसका असर सायं को दिखाई दिया। जिसके चलते आसमान में बादल छाए रहे तथा हल्की बूंदाबांदी हुई। बता दें कि नया मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से दक्षिणी पंजाब व उत्तरी राजस्थान पर चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से प्रचुर मात्रा में नमी पहुंचने से सम्पूर्ण पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी, जबकि मैदानी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 19-21 मार्च के दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, अंधड़ तथा कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बिजली गिरने व ओलावृष्टि को नहीं नकारा जा सकता। इस मौसम प्रणाली से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। जिससे दिन व रात्रि तापमान सामान्य से नीचे दर्ज होंगे।

मौसम में आया बदलाव

नारनौल। सायं को हुई हल्की बारिश। *फोटो : हरिभूमि*

16 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि इस मौसम प्रणाली से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। दिन व रात्रि तापमान सामान्य से नीचे दर्ज होंगे। आमजन मार्च महीने में शीत ऋतु का अहसास होने लगेगा। पंखों कूलरों व एयरकंडीशन बंद करने पड़ेंगे। भारतीय मौसम विभाग ने अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, करनाल, पानीपत जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि शेष 16 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

किसान भाइयों को सलाह

बारिश व अंधड़ आंधी व ओलावृष्टि के दौरान किसान खेतों में जलजमाव न होने दें। अतिरिक्त पानी निकालने के लिए मेड़ काटकर चैनल बनाएं। वर्तमान समय में यदि फसल कटी हुई है, तो उसके उत्पाद को सुरक्षित स्थान पर रखें या तिरपाल से ढक दें। वेयर हाउस में संरक्षित करें। अगर मंडियों में है, तो भी सुरक्षित करें या तिरपाल से ढकें। आमजन व किसान भाई ओलावृष्टि के दौरान पेड़ों के नीचे, बिजली के खंभों के पास या कमजोर छप्परों के नीचे बिल्कुल भी शरण न लें। फसलों, सब्जियों व कतार वाली फसलों में मिट्टी चढ़ाएं, ताकि वे गिरे नहीं। वर्तमान में बारिश के पूर्वानुमान के दौरान उर्वरक या कीटनाशकों का छिड़काव न करें, क्योंकि इससे वे धुल जाएंगे। आज व आने वाले दिनों में तेज गति की हवाएं, आंधी अंधड़ चलने पर किसान सिंचाई करने से बचें, क्योंकि इससे फसल के गिरने की संभावना बढ़ जाती है। सोशल मीडिया व इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से मौसम विभाग की ओर से अलर्ट को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों को अंजाम दें और सावधानी बरतें।

जिले में कुल आधारकार्ड 1078289, वर्तमान में 198530 लोगों का डॉक्यूमेंट अपडेट लंबित

आधार सेवाओं में पारदर्शिता व सुगमता ही सरकार की प्राथमिकता: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बुधवार को कैंप कार्यालय में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए आधार नामांकन और अपडेशन सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आधार सेवाओं में पारदर्शिता और सुगमता सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि जिले में पांच से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के आधार अपडेट की स्थिति बेहतर करने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि जिन स्कूलों में पेंडेंसी अधिक है, वहां मिशन मोड में किट लगाकर इस कार्य को जल्द पूरा करें। उन्होंने बताया कि यदि सात और 17 वर्ष की आयु तक आधार अपडेट नहीं होता है, तो आधार कार्ड स्वतः निष्क्रिय हो जाते हैं। उपायुक्त ने सख्त लहजे में कहा कि केवल अधिकृत केंद्रों को ही आधार संचालन की अनुमति है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आधार केंद्रों का औचक निरीक्षण करें और यदि कोई केंद्र निर्धारित सूची से बाहर चलता पाया जाता है या नागरिकों से अधिक पैसे वसूलता है, तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डीसी ने कहा कि शिक्षा विभाग के तहत कार्यरत एजेंसियां जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट शेयर करेंगे। उपायुक्त ने आधार फर्म के कामकाज की निगरानी करने और मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कड़े आदेश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि सभी सरकारी अस्पतालों में जन्म पंजीकरण आधारित आधार नामांकन को सक्रिय किया जाए। वर्तमान में बंद पड़ी टैबलेट्स को तुरंत चालू करने और आईपीपीबी के माध्यम से घर घर जाकर छोटे बच्चों के नामांकन में तेजी लाने को कहा।

डीसी ने ली जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

अधिकारियों को निर्देश

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लघु सचिवालय में कम से कम तीन और प्रत्येक एसडीएम कार्यालय में कम से कम एक आधार किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता को असुविधा न हो। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार तथा जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक के अलावा अन्य अधिकारी दी मौजूद थे।

सुनहरा अवसर

उपायुक्त ने जिला वासियों से अपील की है कि जिनका आधार 10 साल पुराना हो चुका है, वे अपने पते व पहचान के दस्तावेज तुरंत अपडेट करवाएं। उन्होंने बताया कि 14 जून 2026 तक ऑनलाइन दस्तावेज अपडेट की सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। जिले में वर्तमान में 198530 लोगों का डॉक्यूमेंट अपडेट लंबित है, जिसे क्लियर करने के लिए जल्द ही गांवों व वार्डों में कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले की कुल आधार संख्या 1078289 है। इनमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 825730, पांच से 18 वर्ष के 203101 व 0.5 वर्ष के 49458 नागरिक शामिल हैं।

नारनौल। प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी करती टीम।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित चालान काट वसूला जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार की पर्यावरण संरक्षण नीति के तहत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलीथिन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने जेई्ई योगेश कुमार के नेतृत्व में शहर के विभिन्न हिस्सों में औचक छापेमारी की। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालान काटकर जुर्माना वसूला गया।

इस कार्रवाई के दौरान प्रतिबंधित पॉलीथिन व प्लास्टिक सामग्री का उपयोग करने वालों पर सख्ती बरतते हुए मौके पर एक-एक हजार रुपये के दो चालान काटकर जुर्माना वसूला गया। छापेमारी के साथ विभाग ने जन जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया।

क्षेत्रीय अधिकारी विजय चौधरी ने बताया कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर विशेष जागरूकता बैनर लगाए गए हैं, ताकि आम जनता को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय नुकसान व स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके प्रतिकूल प्रभावों के प्रति सचेत किया जा सके। अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों व व्यापारियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि वे भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें, क्योंकि यह न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत हानिकारक है।

अवैध हथियार रखने वालों की धरपकड़, तीन आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से अवैध हथियार धारकों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया हुआ है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर रेड करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव जाट भगौला निवासी राहुल, गांव महेश्वरी निवासी मंजीत व गांव जाट भूरथल निवासी चिराग उर्फ सुटर के रूप में हुई है। गत 17 मार्च को सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने राहुल निवासी गांव जाट भगौला जिला खैरथल तिजारा राजस्थान को 1 देसी कट्टा व 2 जिंदा रोंद सहित बस स्टैंड धारूहेड़ा से काबू किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी राहुल ने बताया कि उसे यह अवैध हथियार गांव महेश्वरी निवासी मंजीत ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी राहुल व मंजीत को गिरफ्तार किया है। वही सीआईए कोसली की टीम ने चिराग उर्फ शूटर निवासी गांव जाट भूरथल को एक देसी पिस्टल व एक जिंदा रोंद सहित रोहड़ाई से जाटूसाना रोड पर नहर के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना जाटूसाना में शस्त्र अधिनियम की धारा के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया है। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि जिले में अवैध हथियार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होंगे, पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करेगी। आमजन अवैध हथियार रखने वालों की सूचना निःसंकोच होकर मोबाइल नंबर 9350981004 एवं डायल 112 पर दे, उन पर नकेल कसी जा सके।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी राहुल व मंजीत, पुलिस गिरफ्त में आरोपी शूटर।

- **आमजन अवैध हथियार रखने वालों की सूचना निःसंकोच होकर मोबाइल नंबर 9350981004 एवं डायल 112 पर दे, उन पर नकेल कसी जा सके।**

रेवाड़ी। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए वक्ता।

आईजीयू में नेशनल लेवल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज का आयोजन

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग और वाणिज्य दर्पण की ओर से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स के सहयोग से नेशनल लेवल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 128 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया और अपनी वित्तीय सूझबूझ का परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रविंद्र ने की। कॉमर्स क्लब की निदेशक और अधिष्ठाता, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स प्रोफेसर अदिति शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम में को-ऑर्डिनेटर डा. ईश्वर शर्मा का विशेष मार्गदर्शन रहा, जिन्होंने क्विज की रूपरेखा साझा की। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में कॉमर्स क्लब के को-ऑर्डिनेटर सीए डा. संदीप कुमार का सराहनीय योगदान रहा। साथ ही, कॉमर्स क्लब की लायजनिंग ऑफिसर डा. सुनीता यादव ने विभिन्न विभागों और विद्यार्थियों के बीच समन्वय स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। सभी 128 प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर विभाग के अन्य शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे।

नवीन सिंघल पुनः अग्रवाल वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष नियुक्त

- **प्रदेशाध्यक्ष, महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ व प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता का आभार व्यक्त किया**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने नवीन सिंघल को पुनः रेवाड़ी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनके अलावा एडवोकेट तेजपाल गर्ग को जिला महासचिव और प्रवीण कुमार बंसल को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष, महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ व प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता सहित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। जिलाध्यक्ष नवीन सिंघल ने आश्वासन देते हुए कहा कि वे अग्रवाल वैश्य समाज से ज्यादा से ज्यादा समाज के लोगों को जोड़ेंगे, वैश्य समाज को संगठित करेंगे और समाज के लोगों को आगे बढ़ाने और समाज हित के लिए कार्य करेंगे।

नवीन सिंघल।

प्रवीण कुमार बंसल।

तेजपाल गर्ग।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी बधाई

अग्रवाल वैश्य समाज के सदस्य नीतेश अग्रवाल, केसरी नंदन अग्रवाल, मनीष गोयल, मनोज कुमार मित्तल, रामकिशन अग्रवाल, मनोज गोयल, सुनील अग्रवाल, सुमित मित्तल,अमित कुमार मित्तल, हिमांशु सिंघल, ललित भूषण गुप्ता, विनय बंसल,आशीष मित्तल, मनोज गुप्ता, सुनील गोयल मोहित सिंघल, अनिल गुप्ता, आयुष गुप्ता, अशोक गोयल, सुनीता अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सपना कुमारी अग्रवाल, यशोदा बंसल, गरिमा मित्तल, प्रियंका मित्तल,अंजू अग्रवाल,ज्योति गोयल, शशि बंसल, मंजू अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, मनु मंगला, रजनी जैन, पूजा गुप्ता, आभा रुंगटा, नीतू अग्रवाल, सीमा खण्डेलवाल, सरला अग्रवाल, रूही गोयल, मीनाक्षी अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल व प्रिया गोयल सहित अग्रवाल वैश्य समाज की टीम ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

सीएलपी लीडर चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने क्लीन चिट देकर विधायकों का धरना कराया खत्म

पार्टी हाईकमान की ओर से जल्द सूची को सार्वजनिक करने का दिया भरोसा

राज्यसभा के कैंसिल वोट में नाम वायरल होने से आहत विधायक मंजू धरने पर बैठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

प्रदेश की दो सीटों पर चुनावी प्रक्रिया संपन्न हो चुकी तथा परिणाम में एक सीट सत्तासीन भाजपा व एक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी विजेता रहा है, लेकिन परिणाम के बाद कांग्रेस में क्रॉस व कैंसिल वोटों पर विवाद खड़ा हो गया। बीती देर रात सोशल मीडिया में वायरल पोस्ट में नांगल चौधरी की विधायक के वोट को कैंसिल सूची में दर्शाया गया है। जिससे आहत कांग्रेस की विधायक मंजू चौधरी अन्य दो विधायकों के साथ पार्टी मुख्यालय में धरने पर बैठी हैं। सीएलपी लीडर पूर्व विधायक ने धरने पर बैठे विधायकों के वोट पार्टी प्रत्याशी को मिलने की पुष्टि करके धरना समाप्त करवा दिया। उन्होंने क्रॉस व कैंसिल वोटों की सूची जल्द जारी करने का आश्वासन दिया है।

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने नैतिकता खो दी तथा धनबल की मदद से पारदर्शिता को खंडित करने का काम किया है। कांग्रेस विधायकों को विभिन्न प्रलोभन देकर वोट खरीदने के प्रयास किए हैं, लेकिन निष्ठावान विधायकों ने भाजपा हाईकमान के मनसूबों पर पानी फेर दिया। विभिन्न हथकंडे अपनाने के बावजूद समर्थित उम्मीदवार को पराजय झेलनी पड़ी है। जिससे बौखलाई भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ने के प्रयास आरंभ कर दिए। बीती देर रात कुछ निजी चैनल व सोशल मीडिया में विधायक गोकुल सेतिया, मंजू चौधरी समेत चार वोटों को कैंसिल सूची में दर्शाकर बदनामी फैलाई है।

नांगल चौधरी। चंडीगढ़ मुखियालय में धरने पर बैठी नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी।

कांग्रेस की सच्ची सिपाही हूं, गद्दारी करना संस्कारों में नहीं

विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि राज्यसभा की वोटिंग के दौरान रातभर विधानसभा परिसर में रही हैं। भाजपा ने औछे हथकंडे अपनाकर दूषित राजनीति का परिचय दिया है। इसके बावजूद कांग्रेस के प्रत्याशी ने जीत हासिल करके करारा जवाब दिया है। सोशल मीडिया में प्रचारित कैंसिल वोटों की सूची शत प्रतिशत गलत है। मेरा वोट न, तो कैंसिल सूची में है और न ही क्रॉस हुआ है।

दगाबाजों की सूची हाईकमान को भेजी, जल्द होगी कार्रवाई

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि क्रॉस वोटिंग करने वाले सभी कांग्रेसी उम्मीदवारों की सूची पार्टी हाईकमान को भेज दी है। जिनके खिलाफ जल्द ही अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि धरने पर बैठे विधायक गोकुल सेतिया, मंजू चौधरी विधायक नांगल चौधरी समेत तीनों विधायकों की वोट कांग्रेस उम्मीदवार को मिली हैं। पार्टी की तरफ से इन्हें क्लीन चिट दे दी गई है।

नपा ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

महेंद्रगढ़। नगर पालिका की ओर से शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों और बाजारों में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व नायब तहसीलदार एकता ने किया, जिन्होंने मौके पर खड़े होकर अवैध कब्जों को हटवाया। नगर पालिका की टीम ने शहर के सबसे व्यस्ततम इलाकों, जिनमें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शंकर मार्केट और विश्वकर्मा चौक शामिल हैं, वहां से सड़क किनारे रखे सामान और अवैध रेहड़ी-फड़ियों को हटवाया। अभियान के दौरान पुलिस बल और नपा कर्मचारी मौजूद रहे, जिससे अतिक्रमणकर्ताओं में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान नायब तहसीलदार एकता ने दुकानदारों और अतिक्रमणकर्ताओं को सख्त लहजे में समझाया कि सड़क सीमा में सामान रखने से बाजारों में हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। अतिक्रमण के कारण न केवल आम जनता को परेशानी होती है, बल्कि जाम लगने से ग्राहकों का बाजारों में आना कम हो जाता है, जिससे अंततः व्यापारियों का अपना व्यापार भी प्रभावित होता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल एक दिन के लिए नहीं है। दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि यदि भविष्य में दोबारा सड़क पर सामान या अवैध निर्माण पाया गया, तो बिना किसी पूर्व सूचना के सामान जब्त कर लिया जाएगा और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भारी जुर्माना व कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अभियान के दौरान नगर पालिका के जेई नवदीप कुमार, क्लर्क शिव कुमार, सतीश, अंदीप, दरोगा राजेंद्र सिंह, दरोगा सुमित उर्फ रिंकू आदि उपस्थित रहे।

एनसीसी कमांडेंट बता पेट्रोल पंप संचालक से ठगे 25170 रुपये

महेंद्रगढ़। जिले में साइबर ठगों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामले में ठगों ने खुद को एनसीसी कमांडेंट बताकर एक पेट्रोल पंप संचालक को अपना शिकार बनाया और झांसे में लेकर 25170 की चपत लगा दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिवासा निवासी धर्मेंद्र पुत्र जयचंद, जो जेरपुर कुराहवटा रोड पर बाबा खेतानाथ फिलिंग स्टेशन चलाते हैं, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 मार्च को उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को एनसीसी कमांडेंट संदीप रावत बताया। ठग ने कहा कि जल्द ही एक कैंप लगने वाला है, जिसके लिए रोजाना 600 लीटर डीजल की जरूरत होगी। कुछ घंटों बाद आरोपित ने दोबारा फोन किया और डीजल की पेमेंट डालने के नाम पर धर्मेंद्र से बैंक डिटेल ले ली। इसके बाद आरोपित ने धर्मेंद्र के मोबाइल पर 50000 व 27966 के दो फर्जी टेक्स्ट मैसेज भेजे, जिससे ऐसा लगे कि पैसे खाते में आ गए हैं। गलती से ज्यादा पैसे आने का दिया झांसा मैसेज भेजने के तुरंत बाद ठग ने कॉल किया और कहा कि गलती से 25170 ज्यादा डल गए हैं, जिन्हें तुरंत वापस लौटा दिया जाए। धर्मेंद्र ने मैसेज पर भरोसा करते हुए बताए गए नंबर पर 25170 ट्रांसफर कर दिए। जब बाद में उन्होंने अपना बैंक अकाउंट चेक किया तो पता चला कि खाते में कोई पैसा नहीं आया था और उन्हें फर्जी मैसेज भेजकर ठगा गया है। धर्मेंद्र ने बताया कि ठगी का अहसास होने पर जब उन्होंने वापस संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपित का फोन बंद मिला। पीड़ित ने थाना में उपस्थित होकर लिखित शिकायत दी है, जिस पर साइबर के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मोबाइल नंबरों व ट्रांजेक्शन डिटेल के आधार पर जांच में जुट गई है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामल दर्ज कर लिया हैं।

खबर संक्षेप

हुड़दंगबाजी करते दो आरोपी किए काबू

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने शराब के नशे में हुड़दंगबाजी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शिव नगर के पास दो लोग हुड़दंगबाजी करते हुए लोगों की शांति भंग कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी शिव नगर निवासी हैप्पी और शक्ति नगर निवासी बृज मोहन हैं। दोनों किराए के मकानों में रह रहे हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ मॉडल टाउन थाने में केस दर्ज किया गया है।

कीटनाशक पीने से विवाहिता की मौत

कोसली। सुरेहली गांव में एक विवाहिता की रोगावस्था में गलती से कोई कीटनाशक पीने से मौत हो गई। विवाहिता के महेंद्रगढ़ जिले के कांटी गांव निवासी पिता सत्यपाल ने पुलिस को दिए ब्यान में कहा कि उनकी लड़की रक्षा की शादी दस वर्ष पूर्व सुरेहली गांव के अजय कुमार से हुई थी। कुछ समय से रक्षा की तबीयत खराब थी। रक्षा ने गलती से कमरे में रखे कीटनाशक को दवा समझकर पी लिया। परिजनों ने उसे 12 मार्च को कोसली उपमंडल अस्पताल में दाखिल कराया। जहां से उसे रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया गया। बुधवार प्रातः उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने अपनी बेटी की मौत को लेकर किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया है।

नई अनाजमंडी में आरसीसी पिलरो से बनाई जा रही मजबूत चारदीवारी

दशा सुधरने के बाद नए लुक में आया किसान भवन, लोगों के ठहराव की भी होगी व्यवस्था

पर्यावरण संरक्षण के लिए विभाग ने बचाए कई पेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड की ओर नई अनाज मंडी परिसर की दशा सुधारने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अनाजमंडी की दशा सुधारने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे है। अक्टूबर-2025 में शिलान्यास होने के बाद कार्यों ने गति पकड़ ली है। इन कार्यों में अनाजमंडी की चारदीवारी बनाने, किसान भवन की मरम्मत, मार्केट कमेटी के क्वार्टरों की मरम्मत व मार्केट कमेटी कार्यालय के भवन का नवीनीकरण किया जा रहा है। किसान भवन की मरम्मत का कार्य पूरा होकर नया लुक आ चुका है, जबकि क्वार्टरों की मरम्मत व चारदीवारी बनाने का कार्य तेज गति से चल रहा है। किसान भवन की मरम्मत पर 30.42 लाख रुपये खर्च किए गए है। किसान भवन में लोगों के रुकने की भी व्यवस्था की जाएगी, जिसके लिए कमरों में बैड लगाए जाएंगे।

रेवाड़ी। आरसीसी पिलरों से बन रही अनाजमंडी की चारदीवारी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। मेंटेनेंस के बाद नए लुक में अनाजमंडी का किसान भवन। फोटो : हरिभूमि

मार्केट कमेटी के 20 क्वार्टरों की हो रही मरम्मत

नई अनाजमंडी के मुख्य द्वार व नेहरू पार्क के साइड की चारदीवारी व क्वार्टर लंबे समय से जर्जर हालत में थे। मार्केटिंग बोर्ड के जेई आशुतोष ने बताया कि अनाज मंडी की करीब 1500 मीटर लंबी व 7 फीट ऊंची चारदीवारी बनाने के लिए 210 लाख रुपये तथा सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत के लिए भी करीब 127.83 लाख रुपये खर्च किए जा रहे है। अनाजमंडी के सचिवालय रोड स्थित 20 क्वार्टरों की मरम्मत की जा रही है।

चारदीवारी को घुमाकर बचाए कई पेड़

अनाजमंडी में चारदीवारी निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर पेड़ों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। हांलाकि दीवार में बाधा बने कई पेड़ पिछले दिनों वन विभाग से परमिशन लेकर काटे जा चुक है, लेकिन मार्केटिंग बोर्ड के ओर से कई पेड़ों को दीवार घुमाकर बचाया भी जा रहा है।

रेवाड़ी। चारदीवारी को घुमाकर बचाया गया पीपल का पेड़। फोटो : हरिभूमि

आरसीसी पिलरो से बन रही चारदीवारी

वर्तमान में अनाजमंडी की चारदीवारी करीब 5 फीट की बनी हुई थी, जोकि लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी तथा कई जगह से गिर भी चुकी थी। अब नई चारदीवारी करीब 7 फीट ऊंची बनाई जा रही है, जिसमें बीच-बीच में मजबूती के लिए लोहें के सरियों से युक्त आरसीसी के पिलर बनाए जा रहे है। चारदीवारी में नींव में आरसीसी पिलर डाले जा रहे है। चारदीवारी में 10 मीटर के गैप में सरिये से युक्त पिलर बनाए जा रहे है।

मरम्मत का कार्य लगभग पूरा हो चुका

अनाजमंडी की चारदीवारी बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भवन की मरम्मत का कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है। किसान भवन में बैड लगाकर जल्द ही रूकने की भी व्यवस्था की जाएगी।
-आशुतोष जेई, मार्केटिंग बोर्ड, रेवाड़ी।

कार्यालय भवन नवीनीकरण की परमिशन बाकी

अनाजमंडी स्थित मार्केट कमेटी के कार्यालय भवन का नवीनीकरण भी किया जाएगा। जेई आशुतोष ने बताया कि कार्यालय भवन तोड़कर नया बनाया जाना है, जिसका एस्टीमेट तैयार करके मुख्यालय भेजा गया है। अप्रूवल मिलने के बाद कार्यालय भवन का नवीनीकरण कार्य किया जाएगा।

छात्रों को आधुनिक नेटवर्किंग तकनीकों एवं प्रोटोकॉल की दी जानकारी

रेवाड़ी। सोमाणी कॉलेज में बुधवार को कंप्यूटर नेटवर्क एवं नेटवर्किंग प्रोटोकॉल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर एक्सपर्ट के रूप एमडीयू से साहिल ढिल्लों ने छात्रों को आधुनिक नेटवर्किंग तकनीकों एवं प्रोटोकॉल की जानकारी दी। उन्होंने ने छात्रों को कंप्यूटर नेटवर्क की मूलभूत संरचना, विभिन्न प्रकार के नेटवर्किंग प्रोटोकॉल तथा उनके वास्तविक जीवन में उपयोग के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में नेटवर्किंग का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह आईटी क्षेत्र में करियर के लिए नई संभावनाएं खोलता है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जगबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान छात्रों के ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इससे उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रो. आरती, प्रो. नीलम व प्रो. विवेक सहित अन्य संकायों के सदस्य भी उपस्थित थे।

पहचान के बाद कराया शव का पोस्टमार्टम, फरवरी में लापता हुआ था राजसिंह

रेवाड़ी। मुकुंदपुर बसई के खेतों में बीते मंगलवार की सायं मिले शव की शिनाख्त गांव के ही 55 वर्षीय राजसिंह के रूप में हो गई। राजसिंह गत 24 फरवरी को लापता हो गया था। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। खेत में सरसों की कटाई करते समय लोगों ने शव पड़ा देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने के प्रयास शुरू किए थे। शव कई दिन पुराना होने के कारण जानवरों ने उसे बुरी तरह नोंचा हुआ था। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया था। बाद में शव की शिनाख्त गांव के ही राजसिंह के रूप में हो गई। राजसिंह गत 24 फरवरी को बाइक लेकर अपने खेत में गया था। जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद भी राजसिंह का कोई पता नहीं चला, तो उसके बेटे नरबीर ने अपने पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट कसोला थाने में दर्ज कराई थी। बाद में राजसिंह की बाइक उसके खेत के पास ही मिल गई थी, परंतु उसका कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस ने मृतक की

उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की सप्लाई करें संचालक

■ डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों और गैस एजेंसी संचालकों को घरों में निर्बाध रूप से गैस सिलेंडर की सप्लाई करने के निर्देश दिए है ताकि किसी भी उपभोक्ता को एजेंसी में न आना पड़े। डीसी ने बुधवार को घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति तथा उपलब्धता के लिए अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि केवल वास्तविक उपभोक्ता को ही गैस की सप्लाई दी जाए। वहीं अधिकारी जिले में यह सुनिश्चित करें कि घरेलू गैस का कहीं भी कोई कमर्शियल प्रयोग तो नहीं किया जा रहा है। ऐसे व्यक्तियों और दुकानदारों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने सभी एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि जिले में एलपीजी की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रखें तथा उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें।

रेवाड़ी। भारत गैस एजेंसी के ऑटो से सिलेंडर लेते उपभोक्ता। फोटो : हरिभूमि

लोगों को एलपीजी प्राप्त करने के लिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं

डीसी ने कहा कि जिले में घरेलू एलपीजी गैस की सप्लाई सुचारू और सामान्य रूप से जारी है। उपभोक्ताओं को एलपीजी प्राप्त करने के लिए घबराने अथवा गैस एजेंसियों पर लाइन लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। निर्धारित समय उपरांत गैस बुकिंग होने पर गैस एजेंसी संचालकों की ओर से घर पर ही सिलेंडर की सप्लाई करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से प्रत्येक घर में रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जा रही है। केवल एक गैस उपभोक्ता को एक ही कॉपी पर एक गैस सिलेंडर की सप्लाई की जा रही है, जिसके लिए मोबाइल ओटीपी अनिवार्य है। डीसी ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति एलपीजी का अनावश्यक भंडारण करता है तो इसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को दें ताकि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि एलपीजी गैस की बुकिंग या वितरण से संबंधित किसी भी उपभोक्ता को यदि परेशानी आती है तो संबंधित एजेंसी की ओर से उसका शीघ्र समाधान किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार, एसडीएम बावल मनोज कुमार, डीएफएससी नितीश कुमार सिंगला व सेल्स ऑफिसर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों व नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से लघु सचिवालय स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न श्रेणियों के अपराधों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह, डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण, डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी कोसली विद्यानंद व डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार सहित सभी थाना प्रबंधक, पीओ स्टाफ इंचार्ज तथा सभी इंचार्ज कार्यालय पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे। इस मौके पर एसपी मीणा ने जिले में कानून-व्यवस्था, अपराध के आंकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों, नेटवर्क एवं सप्लाई चैन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई की जाए। एसपी ने जिले में सुरक्षा चक्र को और अधिक मजबूत करने के लिए अपराध की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों, प्रमुख रास्तों और चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

रेवाड़ी। पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए एसपी हेमेंद्र मीणा। फोटो : हरिभूमि

कविता पाठ प्रतियोगिता में छवि व खुशी बनी विजेता

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिंदी-संस्कृत विषय समिति के तत्वावधान में विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया। इस मौके पर कविता पाठ, निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महाविद्यालय प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का विषय नारी सशक्तिकरण रहा। हिंदी विभाग की अध्यक्ष डा. अनीता रानी के कार्यक्रम का संचालन किया। निर्णायक मंडल की भूमिका में डा. यशपाल सिंह, डा. शर्मिला तथा डा. सुरेंद्र कुमार शामिल थे। कॉलेज के उप प्राचार्य डा. यशपाल ने नारी सशक्तिकरण का महत्व बताते हुए छात्राओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजन में हिंदी विभाग से डा. अनीता, डा. गायत्री व डा. कविता ने योगदान दिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में छवि ने प्रथम, करीना व नेहा ने द्वितीय तथा बबली व भावना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में छवि व खुशी ने प्रथम, हर्षिता व महक ने द्वितीय तथा पूजा व हेमलता ने तृतीय स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में खुशी ने पहला, तमन्ना ने दूसरा और जानवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। छात्राओं को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि एसडीएम विजय कुमार यादव।

डीएवी की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं पुरस्कृत

कोसली। कोसली के डीएवी महिला महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एसडीएम विजय कुमार व प्राचार्य डा. जयसिंह ने की। इस मौके पर एसडीएम कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्राओं को अनुशासन में रहकर निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया। प्राचार्य डा. जयसिंह ने सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुख्यातिथि के साथ मेधावी छात्राओं को शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया। शैक्षणिक क्षेत्र में बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा आरती को प्रथम, बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा मुस्कान को द्वितीय तथा बीए तृतीय वर्ष की छात्रा सिमरन को प्रथम घोषित किया गया। छात्रा खुशी को एनएसएस की सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक, छात्रा सपना को बैस्ट एथलीट व छात्रा रिंकू को बैस्ट एनसीसी कैडेट घोषित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी श्रेष्ठ छात्राओं को पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

बाबा मीठा वाला धाम पर हवन व सत्संग का आयोजन

रेवाड़ी। बुधवार को बाबा मीठा वाला के 52वें मेला महोत्सव के अवसर पर विधि-विधान से हवन किया गया। गांव मुसेपुर स्थित बाबा के धाम पर प्रातः से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। बाबा मीठा वाला धाम में शिव परिवार, राधा कृष्ण, श्याम बाबा, वैष्णों माता, विष्णु-लक्ष्मी, राम दरबार, हनुमान, साईराम, नरसिंह भगवान, नवग्रह मंदिर, शनिदेव व दुर्गा माता की मूर्ति स्थापित है। श्रृद्धालुओं ने सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की और बाबा मीठा धाम पर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के सदस्य रविंद्र आशावादी ने कहा कि बाबा मीठा वाला धाम पर प्रत्येक अमावस्या पर हवन एवं सत्संग का आयोजन किया जाएगा। बाबा मीठा धाम पर समय-समय पर प्रतिभाओं को खेलों, शिक्षा, नौकरी लगने व प्रमोशन मिलने पर सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर सूबेदार हरि सिंह, विशंभर, सहीराम कशियर, प्रधान सेवक हरिन्द्र बाबा मीठा वाला मंदिर सेवा समिति, वेद प्रकाश, सरदार सिंह पंच, ज्ञानेंद्र पूर्व उप प्रधान, राजेंद्र शर्मा पूर्व कैशियर, ओम कुमार प्रधान व कर्मवीर पंच सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। बाबा मीठा वाला की पूजा करते हुए भक्त। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। शिक्षकों के साथ जेएनवी परीक्षा में सफल विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

जेएनवी परीक्षा में सफल रहे विद्यार्थी हुए सम्मानित

रेवाड़ी। जवाहर नवोदय विद्यालय की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में हांसाका स्थित श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने सफलता पाई है। स्कूल के सात विद्यार्थियों ने जेएनवी की प्रवेश परीक्षा दी, जिसमें से पांच विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल संचालक सुरेश कुमार यादव ने कहा कि सफलता किसी की मोहताज नहीं होती। यह विद्यार्थियों और अध्यापकों के कठोर परिश्रम का फल है। बुधवार को पांचों छात्रों को स्कूल में सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य व स्टाफ सदस्यों वे छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गर्ल्स कॉलेज में गणितोत्सव कार्यक्रम का आयोजन, छात्राओं का उत्साहवर्धन किया

अपने जीवन में अच्छे लोगों और सकारात्मक सोच को जोड़ें छात्राएं

पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन में रितिका ने पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-18 में बुधवार को गणित विषय समिति की ओर से गणितोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गणित के विभिन्न विषयों, गणितज्ञों के जीवन व वैदिक गणित पर पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, स्केच मेकिंग व पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस अवसर पर प्राचार्या व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डा. ज्योति यादव ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में अच्छे लोगों और सकारात्मक सोच को जोड़ें, नकारात्मक विचारों को अपने जीवन से घटाएं, अपने ज्ञान को लगातार गुणा करें तथा अपनी खुशियां सबके साथ बांटे। उन्होंने आयोजन के लिए गणित विभाग के सभी सदस्यों की सराहना भी की। स्टाफ सचिव डा. सुनीता ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया व समझाया कि प्रभावी समय प्रबंधन से जीवन में सफलता निश्चित है। निर्णायक मंडल की भूमिका नरेंद्र सिंह, सुनील तोबड़िया व डॉ. जयश्री ने निभाई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को फीडबैक देते हुए भविष्य में और अच्छा काम करने के लिए प्रेरित किया। डा. सुनील कुमार ने छात्राओं को प्रभावी पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन बनाने के लिए तकनीकी ज्ञान प्रदान किया। डा. रजनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संचालन में गणित विभाग से डा. मीनाक्षी, डॉ. निशा, डॉ. रेनू प्रिया व चंद्रकांत का योगदान रहा।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं शिक्षकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

प्रतियोगिताओं के परिणामों पर एक नजर

पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन में रितिका ने प्रथम, रितु ने द्वितीय व प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता में बिंदु ने प्रथम, ऋषिता ने द्वितीय और भारती ने तृतीय स्थान पाया। स्केच मेकिंग प्रतियोगिता में हनी प्रथम व तमन्ना द्वितीय तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में कीर्तन प्रथम स्थान पर रही।

रेवाड़ी। जेईई मेन्स में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस के जेईई मेन्स में सफल विद्यार्थी हुए सम्मानित

रेवाड़ी। आरपीएस स्कूल में जेईई मेन्स परीक्षा में सफल हुए छात्रों को सम्मानित किया गया। परीक्षा में विद्यालय के 10 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 21 छात्रों ने 98 प्रतिशत से अधिक और 45 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। कार्यक्रम में स्कूल के सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव तथा प्राचार्य विक्रम यादव भी उपस्थित थे। उन्होंने सभी सफल छात्रों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने भी छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना की। इस अवसर पर अभिभावक भी उपस्थित थे।